



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 16 दिसंबर, 2025  
जारी करने का समय: 1300 घंटे

**विषय:** (i) 17 से 20 दिसंबर के दौरान उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। साथ ही, 17 से 21 दिसंबर के दौरान उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ इलाकों में भी सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

(ii) 17 और 18 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश, तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।

**अंतीम 24 घंटों (15 दिसंबर, 0830 आ.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:**

- उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों और पंजाब और ओडिशा के कुछ छिटपुट इलाकों में सुबह के समय अत्यधिक घना से घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा; ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश और मेघालय के कुछ छिटपुट इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) देखा गया।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता ( $\leq 200$  मीटर): हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर 50 मीटर, उत्तराखण्ड: पंतनगर और खटीमा 50, ओडिशा: रातरकेला 25, कोरापुट 120, फुलबनी 150 पंजाब: फरीदकोट 20, बिंडा एमएफयू 40, पश्चिम उत्तर प्रदेश: एमएस अलीगढ़, बरेली (आईएएफ), आगरा (आईएएफ) -00 प्रत्येक, आगरा (ताज) -20, अलीगढ़ -25, बरेली-30, शाहजहाँपुर-40, एम्स मुरादाबाद-50, पूर्वी उत्तर प्रदेश: एम्स अयोध्या, गोरखपुर (आईएएफ), कानपुर (आईएएफ) और प्रयागराज आईएएफ-00, फुरसतगंज-20, कानपुर (शहर)-40, फतेहगढ़, लखनऊ (एपी), हरदोई, वाराणसी (एपी)-50, बस्ती-70, एम्स श्रावस्ती-100, सुल्तानपुर-150, पश्चिमी राजस्थान: श्री गंगानगर 50, बीकानेर 100, पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो(100), मेघालय: बारापानी(50)।

**मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट । एवं ॥ देखें):**

- उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू के ऊपर निचले क्षेत्रमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षेप मौजूद है, जिसके मध्य क्षेत्रमंडल की पछुआ हवाओं में एक गर्त बना हुआ है और इसका अक्ष लगभग  $72^\circ$  पूर्व देशांतर के अनुदिश अक्षांश  $32^\circ$  उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- उत्तरी भारत में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 120 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ धारा व्याप्त है।
- दक्षिणी असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षेत्रमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- 17 दिसंबर 2025 की रात से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षेप आने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित है:

- ❖ 18 से 22 दिसंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फरबाद में कुछ/अलग-थलग स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है। 20 और 21 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश और पंजाब में तथा 21 दिसंबर को उत्तराखण्ड में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 16 दिसंबर को मेघालय में अलग-थलग ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।
- ❖ 16 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी बारिश की प्रबल संभावना है। साथ ही, 16-17 दिसंबर को निकोबार द्वीप समूह और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

**आज, 16 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:**

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में छिटपुट स्थानों पर तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; उत्तर प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, ओडिशा में कुछ स्थानों पर तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; छत्तीसगढ़, असम और मेघालय, मणिपुर, तेलंगाना और केरल और माहे में छिटपुट स्थानों पर तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस आदमपुर (पंजाब) और भोपाल (पश्चिमी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे ( $\leq -5.1^{\circ}\text{C}$ ) रहा; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, असम और मेघालय के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी नीचे ( $-5.0^{\circ}\text{C}$  से  $-3.1^{\circ}\text{C}$ ) रहा; महाराष्ट्र, केरल और माहे के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे ( $-1.6^{\circ}\text{C}$  से  $-3.0^{\circ}\text{C}$ ) रहा; तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे रहा; बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- ❖ उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, सौराष्ट्र और कच्छ, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यन्म तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में  $1-3^{\circ}\text{C}$  की वृद्धि देखी गई है। मध्य प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फरबाद, राजस्थान, ओडिशा, असम और केरल और माहे के कुछ हिस्सों में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की प्रवृत्ति

**न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:**

- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 4 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 3 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 7 दिनों के दौरान देश के शेष हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

**सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:**

- ❖ पूर्वान्तर भारत के कुछ इलाकों में 17 से 21 दिसंबर तक, पंजाब में 17 से 20 दिसंबर तक, हिमाचल प्रदेश में 17 से 19 दिसंबर तक, उत्तराखण्ड, पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में 17 और 18 दिसंबर को, और हरियाणा और चंडीगढ़ में 18 से 20 दिसंबर तक तड़के/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 17 से 20 दिसंबर तक और मध्य प्रदेश में 17 से 19 दिसंबर तक तड़के/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। 17 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर और 18 दिसंबर को कुछ स्थानों पर अत्यधिक घना कोहरा छा सकता है; पूर्वी मध्य प्रदेश में भी 17 और 18 दिसंबर को ऐसा ही रहेगा।
- ❖ तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17 और 18 दिसंबर को शीतलहर चलने की प्रबल संभावना है।

## **मछुआरों के लिए चेतावनी:**

मछुआरों को 16 दिसंबर से 21 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

□ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में 16 से 20 दिसंबर के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 16-19 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forcast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

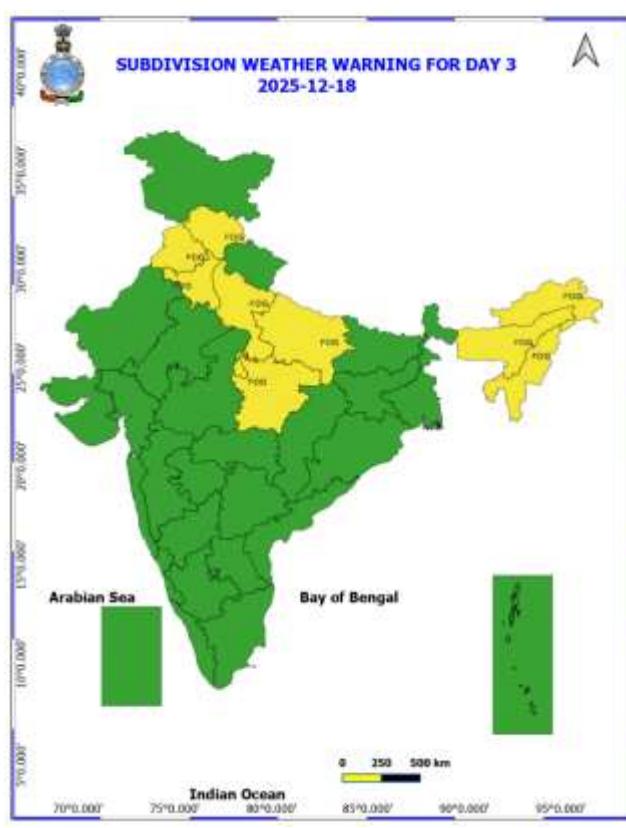
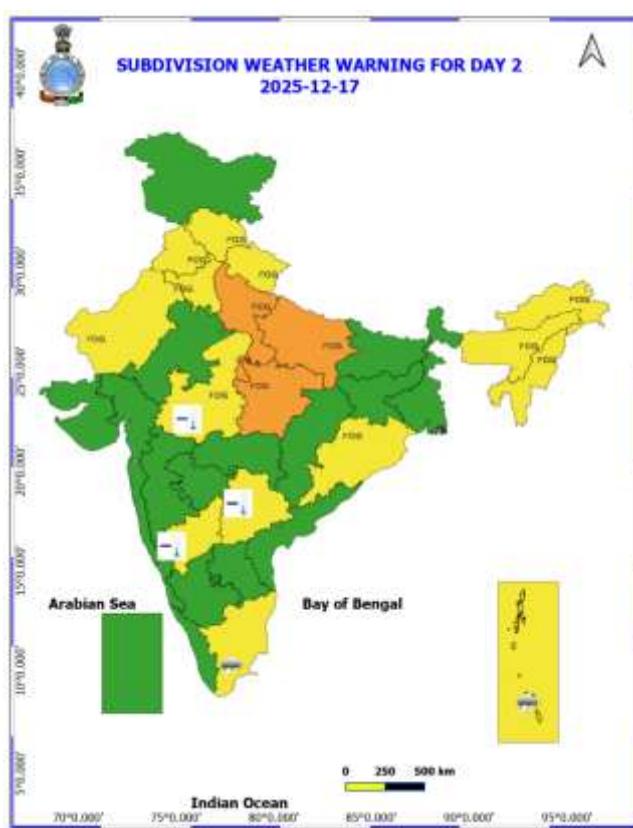
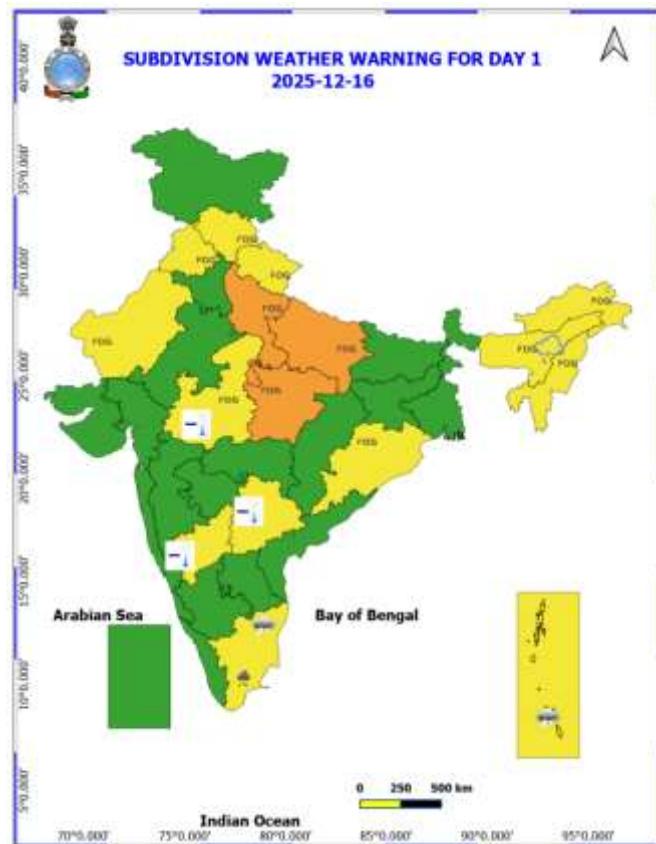
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

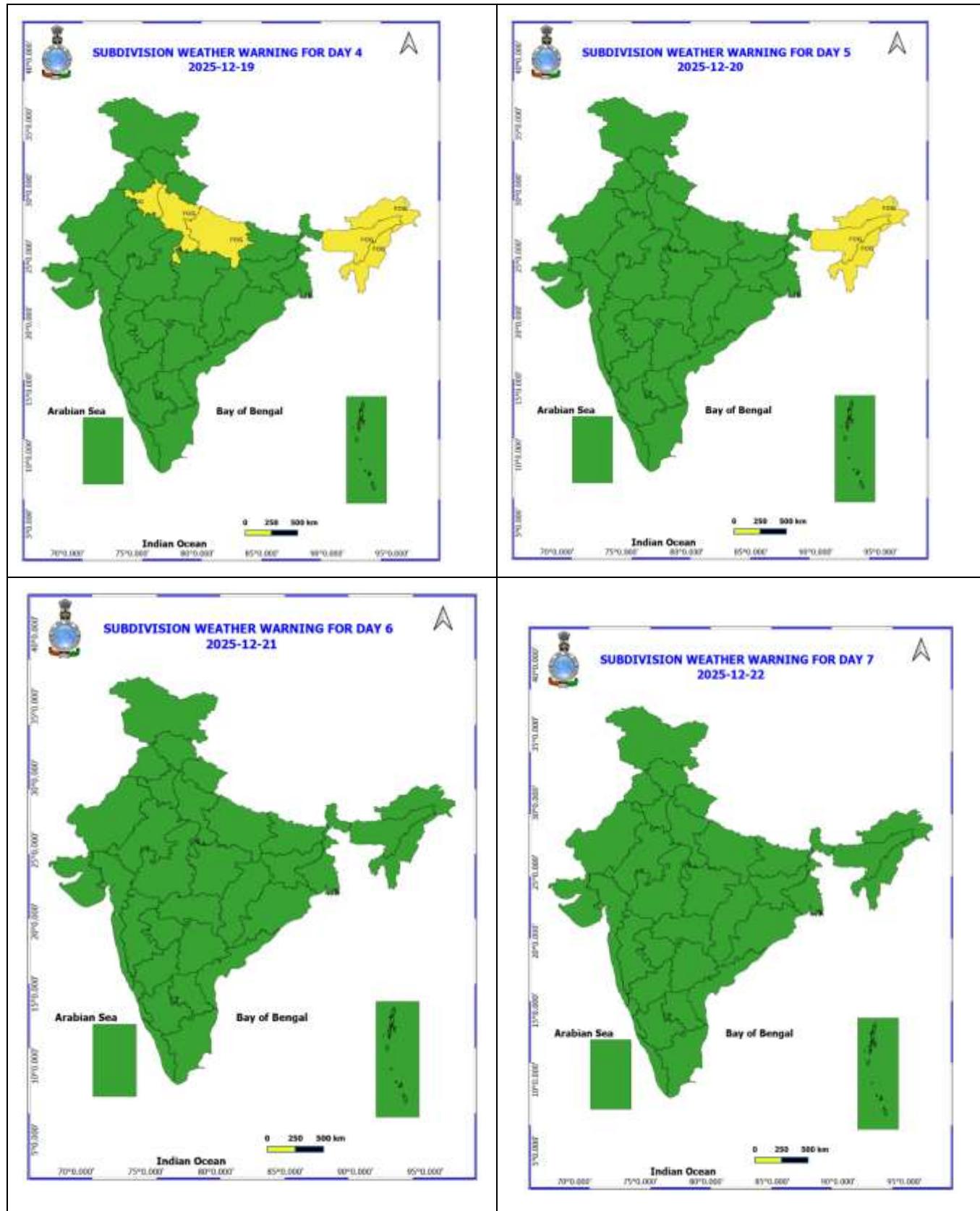
महत्वपूर्ण बारिश दर्ज की गई (सेमी में) (कल सुबह 0830 बजे से आज सुबह 0830 बजे तक):

□ तमिलनाडु: पंबन (जिला रामनाथपुरम) 1.

S.No.	Subdivision	7 Days Rainfall Forecast						
		16- Dec Day 1	17- Dec Day 2	18- Dec Day 3	19- Dec Day 4	20- Dec Day 5	21- Dec Day 6	22- Dec Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

## 16 से 19 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

### पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2°C तक और अधिकतम तापमान में 3°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20 से 24°C और 8 से 9°C के आसपास रहा। दिल्ली में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5 से 1.5°C) है, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5 से 1.5°C) रहा। सफरजांग हवाई अड्डे पर 16.12.2025 को सुबह 7:30 बजे (भारतीय मानक समय) से सुबह 8:00 बजे (भारतीय मानक समय) तक सबसे कम दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर सुबह 8:00 बजे (भारतीय मानक समय) 1000 मीटर हो गई। पालम हवाई अड्डे पर 16.12.2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 8:00 बजे से 9:00 बजे तक सबसे कम दृश्यता 600 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर 9:00 बजे 700 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति 12 किमी प्रति घंटा तक रही, जो विभिन्न दिशाओं से चल रही थी। आज दोपहर में भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 14 किमी प्रति घंटा तक रही।

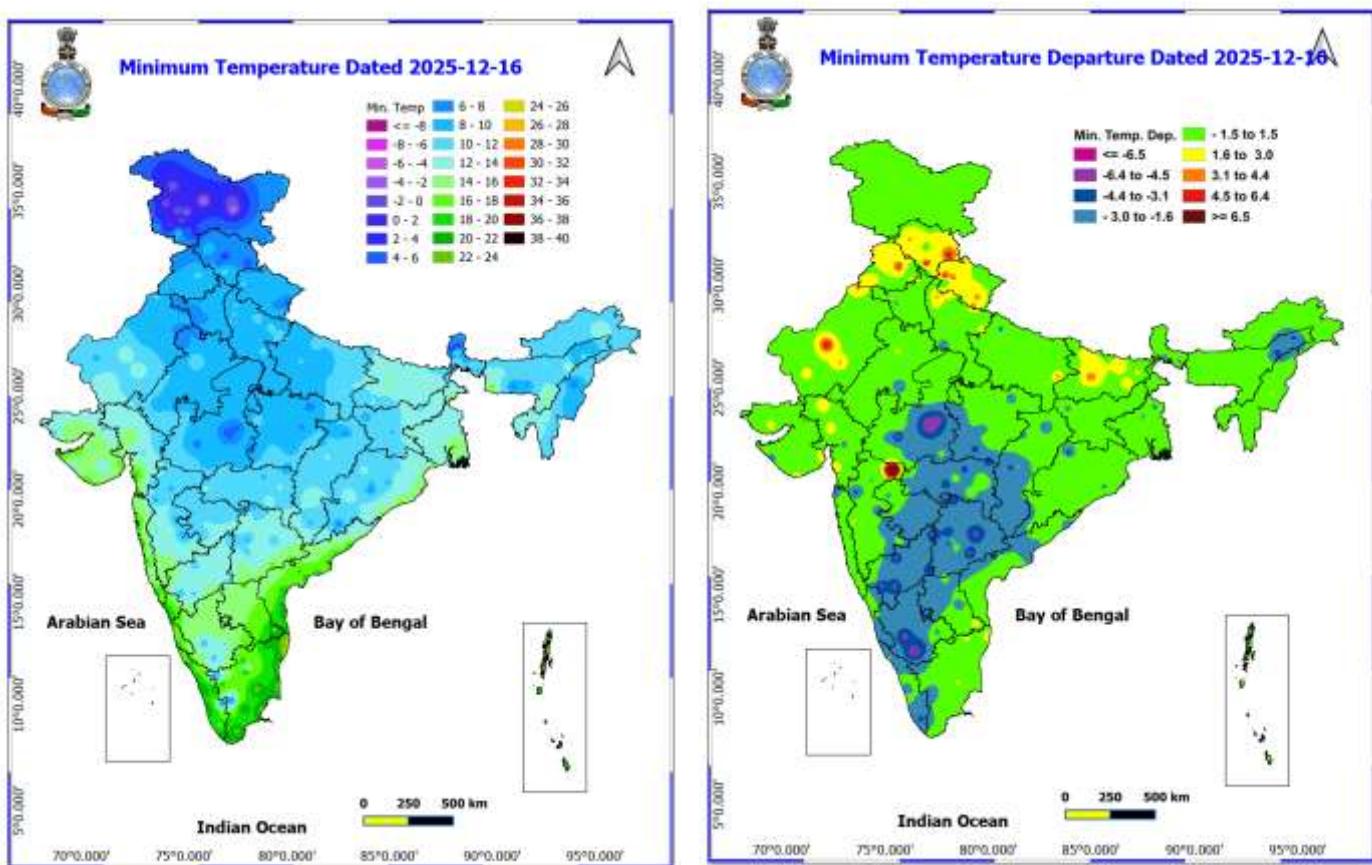
### मौसम का पूर्वानुमान:

16.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। रात में हल्की धूंध छाई रहेगी। दिन में सतही हवा की गति 15-25 किमी प्रति घंटा रहेगी। अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय सतही हवा मुख्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

17.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय हल्की धूंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.9 से 2.9 डिग्री सेल्सियस) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (0.8 से 2.8 डिग्री सेल्सियस) रहेगा। सुबह के समय सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में भी हवा की गति पश्चिम दिशा से लगभग 15 किमी प्रति घंटा ही रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

18.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की धूंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.9 से 2.9 डिग्री सेल्सियस) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

19.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की धूंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।



सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है: पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में 17 से 21 दिसंबर के दौरान, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 17 से 20 दिसंबर के दौरान; हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में 17 से 19 दिसंबर के दौरान; उत्तराखण्ड, पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में 17 और 18 दिसंबर को; हरियाणा और चंडीगढ़ में 18 से 20 दिसंबर के दौरान कोहरा छाए रहने की संभावना है।♦ परिवहन और विमानन:

- मेट-उप-मंडल के क्षेत्रों में कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर प्रभाव पड़ सकता है।
- धीमी यात्रा के समय के साथ कठिन ड्राइविंग परिस्थितियाँ।
- यदि एहतियाती उपाय नहीं किए गए, तो इससे कुछ सड़क यातायात दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

#### ❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

#### ❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रॉकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रॉकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की डिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

#### सुझाई गई कार्रवाई:

#### ❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।

- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

#### ❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

**शीत लहर की स्थिति के कारण 17 और 18 दिसंबर को तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर इसके बने रहने की संभावना है।**

#### प्रभाव अपेक्षित

- ❖ फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- ❖ कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

#### सुझाए गए उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- ❖ जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वैटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- ❖ शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- ❖ पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

#### शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्टिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नरसी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

#### पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

#### तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**

➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

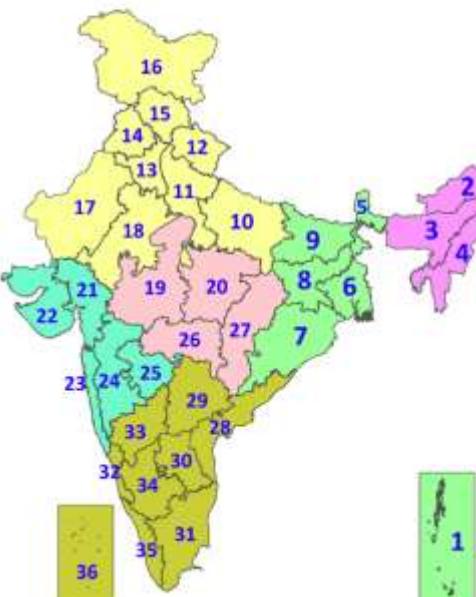
### **मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:**

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखण्ड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कॉकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यन्म, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।



## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखण्ड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखण्ड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)		
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)		
26-50	Scattered (SCT/A Few Places)		
1-25	Isolated (ISOL)		



### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75